Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 8

सामाजिक विज्ञान

हमारे अतीत-III

अध्याय-6 : "देशी जनता" को सभ्य बनाना
राष्ट्र को शिक्षित करना

भाग-3

राष्ट्रीय शिक्षा की कार्यसूची

निर्मल सिंह

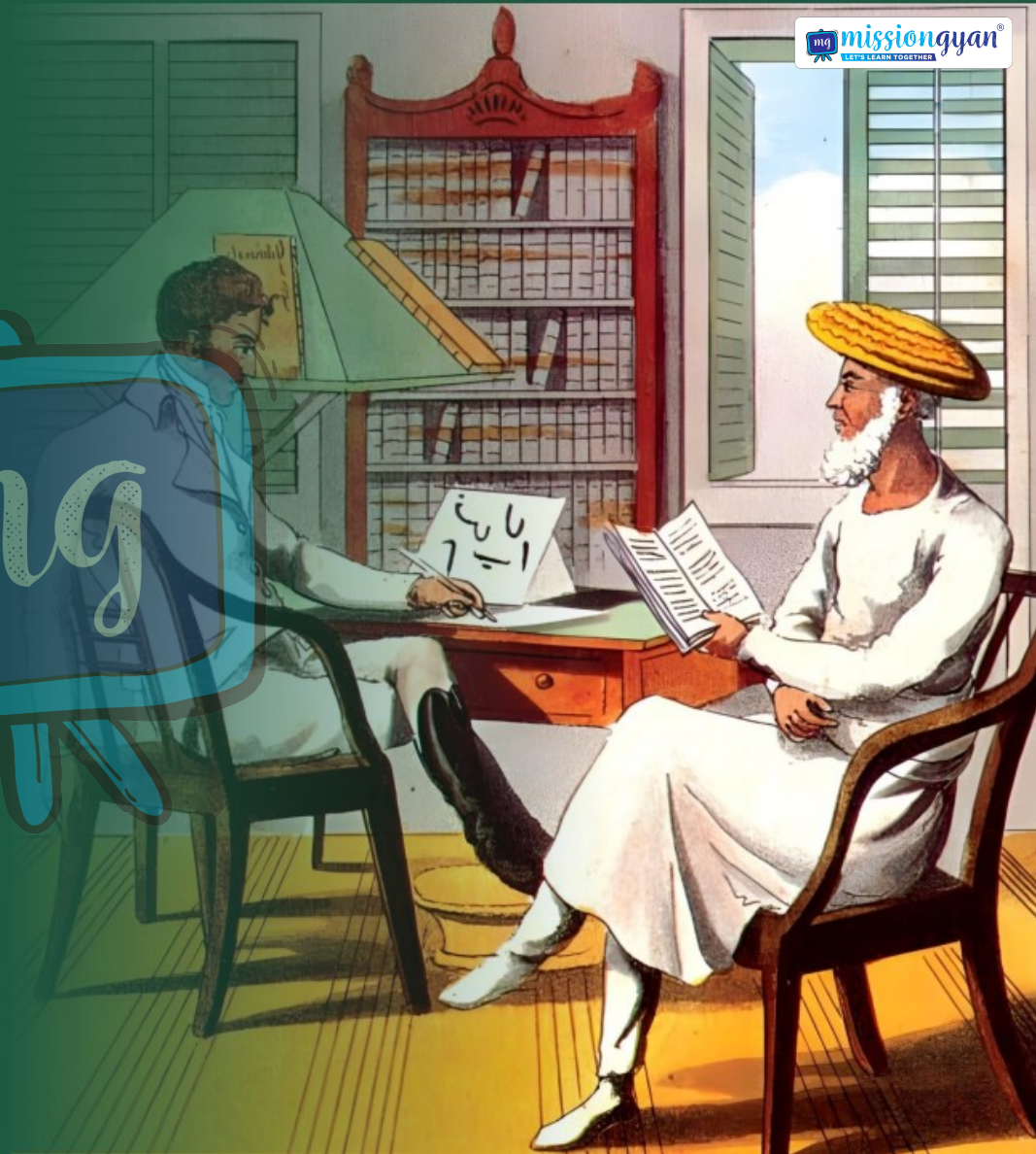

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Under CSR Support by ipca Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. देशी जनता को सभ्य और शिक्षित बनाने का प्रयास
2. स्थानीय पाठशाला और विलियम एडम की रिपोर्ट
3. राष्ट्रीय शिक्षा की कार्यसूची



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रीय शिक्षा की कार्यसूची

- कुछ भारतीयों का मानना था कि पश्चिमी शिक्षा भारत का आधुनिकीकरण कर सकती है।
- उन्होंने अंग्रेज़ों से आह्वान किया कि वे नए स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय खोलें तथा शिक्षा पर ज्यादा पैसा खर्च करें।
- परंतु बहुत सारे भारतीय पश्चिमी शिक्षा के विरुद्ध थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- महात्मा गांधी और रवीन्द्रनाथ टैगोर इसी तरह के लोगों में से थे।

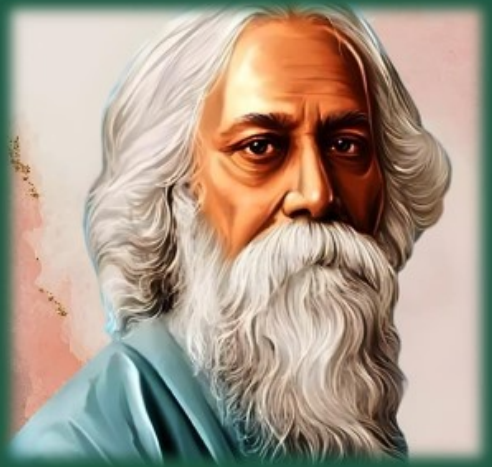



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

"अंग्रेज़ी शिक्षा ने हमें गुलाम बना दिया है"

- महात्मा गांधी का कहना था कि औपनिवेशिक शिक्षा ने भारतीयों के मस्तिष्क में हीनता का बोध पैदा कर दिया है।
- अपनी संस्कृति के प्रति लोगों का गौरव भाव नष्ट हो गया है।
- महात्मा गांधी ने कहा कि इस शिक्षा में विष भरा है, यह पापपूर्ण है, इसने भारतीयों को दास बना दिया है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- महात्मा गांधी एक ऐसी शिक्षा के पक्षधर थे जो भारतीयों के भीतर प्रतिष्ठा और स्वाभिमान का भाव पुनर्जीवित करे।
- राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा संस्थानों को छोड़ देंने का आह्वान किया।
- महात्मा गांधी की दृढ़ मान्यता थी कि शिक्षा केवल भारतीय भाषाओं में ही दी जानी चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उनके मुताबिक, अंग्रेज़ी शिक्षा ने भारतीयों को "अपनी ही भूमि पर अजनबी" बना दिया है।
- गांधी का तर्क था कि शिक्षा से व्यक्ति का दिमाग और आत्मा विकसित होनी चाहिए।
- उनकी राय में केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता पा लेना ही शिक्षा नहीं होती।

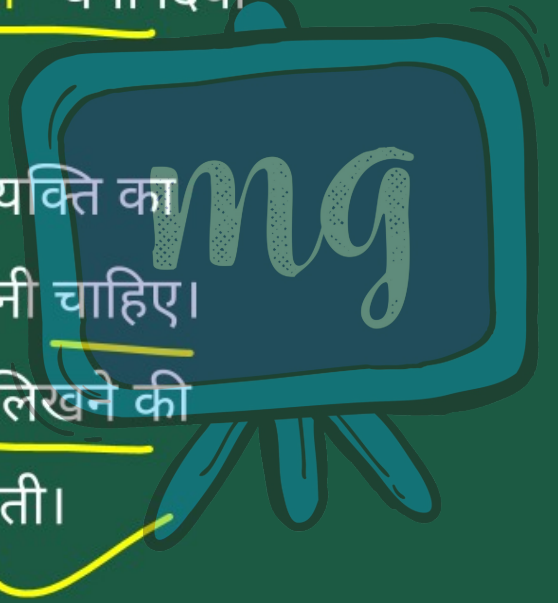

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

टैगोर का "शांतिनिकेतन"

- रवीन्द्रनाथ टैगोर ने यह संस्था 1901 में शुरू की थी।
- टैगोर के मुताबिक, वर्तमान स्कूल बच्चे की रचनाशीलता, चकित होने के उसके स्वाभाविक गुण को मार देते हैं।
- टैगोर का मानना था कि सृजनात्मक शिक्षा को केवल प्राकृतिक परिवेश में ही प्रोत्साहित किया जा सकता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इसीलिए उन्होंने कलकत्ता से 100 किलोमीटर दूर एक ग्रामीण परिवेश में अपना स्कूल खोलने का फैसला लिया।
- महात्मा गाँधी और टैगोर दोनों के शिक्षा के विचारों में कुछ फर्क था।
- गांधीजी पश्चिमी सभ्यता और मशीनों व प्रौद्योगिकी की उपासना के कट्टर आलोचक थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- टैगोर आधुनिक पश्चिमी सभ्यता और भारतीय परंपरा के श्रेष्ठ तत्वों का सम्मिश्रण चाहते थे।
- उन्होंने शांतिनिकेतन में कला, संगीत और नृत्य के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा पर भी ज़ोर दिया।

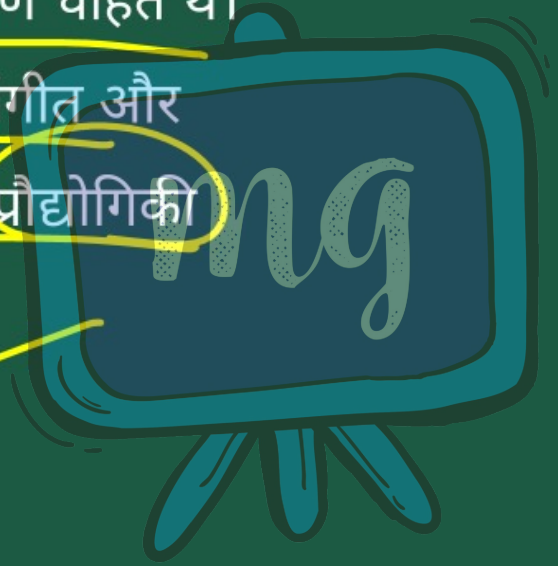

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- अरविंदों घोष ने 15 जनवरी 1908 को बॉम्बे में राष्ट्रीय शिक्षा पर एक संभाषण दिया।
- उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा का लक्ष्य छात्रों में राष्ट्रीयता का भाव जागृत करना बताया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने शिक्षा को मातृ भाषा में होने पर बल दिया।
- अरविंदों ने इस बात पर भी बल दिया कि छात्रों को आधुनिक वैज्ञानिक अविष्कारों तथा लोकप्रिय शासन व्यवस्था के संदर्भ में पश्चिमी देशों के अनुभव का भी लाभ उठाना चाहिए।
- इसके अतिरिक्त छात्रों को हस्तकला भी सीखनी चाहिए।

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. राष्ट्रीय शिक्षा पर महात्मा गाँधी के विचार
2. टैगोर का शांतिनिकेतन

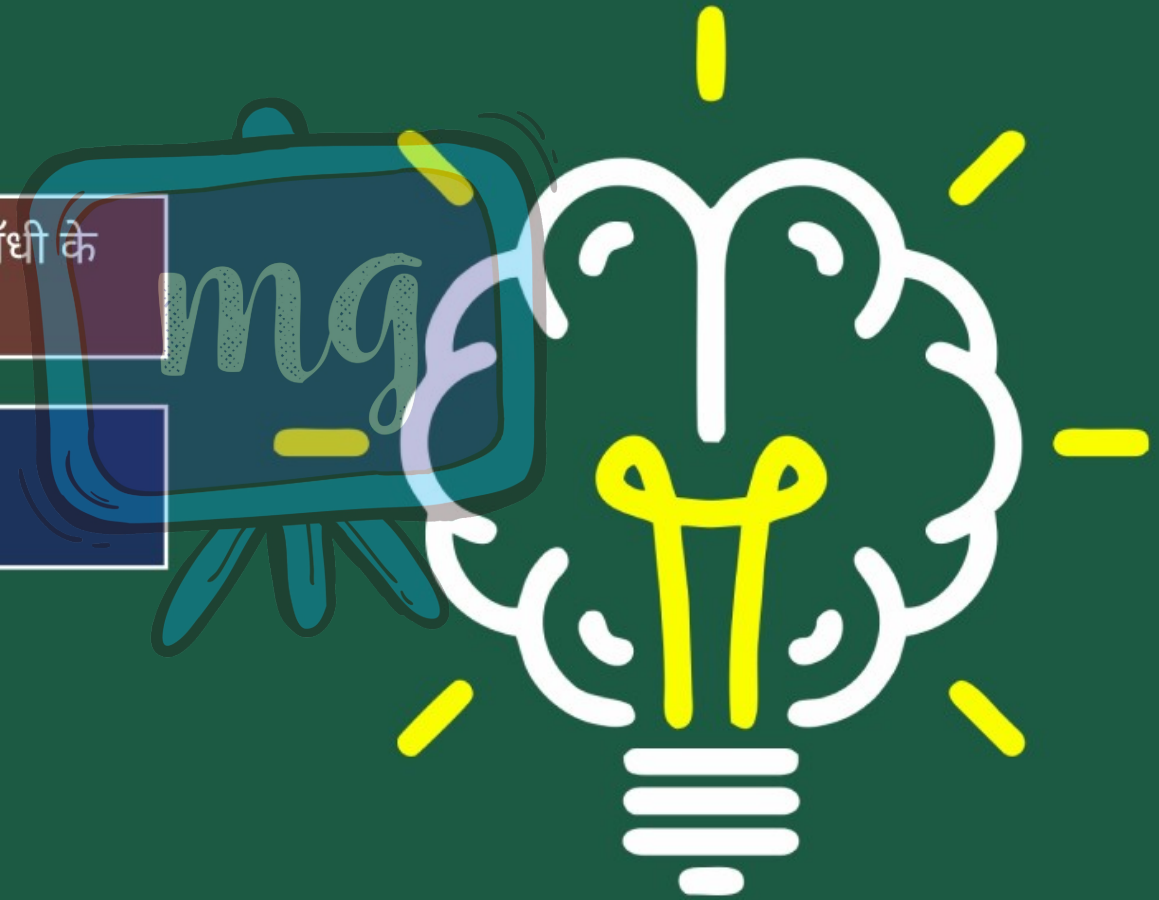

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 "अंग्रेजी शिक्षा ने हमें गुलाम बना दिया है" यह कथन किसका है?

अ महात्मा गाँधी

ब रविन्द्रनाथ टैगोर

स अरविंदों घोष

द स्वामी विवेकानन्द





Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 शांतिनिकेतन नामक संस्था कब शुरू की गयी?

- अ 1901
- ब 1902
- स 1903
- द 1904



Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3 शांतिनिकेतन की स्थापना किसने की?





- अ महात्मा गाँधी
- ब रविन्द्रनाथ टैगोर
- स अरविंदों घोष
- द स्वामी विवेकानन्द

4 महात्मा गांधी का कहना था कि औपनिवेशिक शिक्षा ने भारतीयों के मस्तिष्क में हीनता का बोध पैदा कर दिया है।

अ सत्य

ब असत्य





मूल्यांकन (Assessment)

5 | टैगोर ने शांतिनिकेतन में कला, संगीत और नृत्य के साथ-साथ ---------- की शिक्षा पर भी ज़ोर दिया।

वैज्ञानिक आविष्कार और तकनीकि

